स्वायत्त शासन मंत्री खर्रा अजमेर पहुंचे, एलिवेटेड रोड का निरीक्षण किया

एलिवेटेड रोड निर्माण में भ्रष्टाचार की रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही होगी : खर्रा

अजमेर, (निसं)। करोड़ों रूपए की लागत से निर्मित एलिवेटेड रोड पर गत दिवस की बरसात से हुए खड्डों का निरीक्षण शुक्रवार को राज्य के स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड के निर्माण मे हुए भष्ट्राचार की जांच रिपोर्ट आने के बाद सभी दोषियों के खिलाफ जांच की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों शहर में हुई मूसलाधार बरसात के कारण करोड़ों रूपए की लागत से बनाए गए एलिवेटेड रोड में जान लेवा खड्डे हो गए थे। जिसके कारण पुलिस ने आवागमन बंद कर दिया था। शुक्रवार को राज्य के स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा अजमेर पहुंचे और उन्होंने एलिवेटेड रोड का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड के हालात से उप सभापति ने उन्हें अवगत कराया था और 2023 के समाचार पत्रों की कटिंग भी भेजी थी। उस समय की सरकार की लापरवाही से यह काम हुआ है इसमें भष्ट्राचार का सदेह होता है। उनका कहना था कि उस समय जो भी तकनीकी या अन्य अधिकारी इस काम मे शामिल थे उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा इस काम को करने वाली कंपनी को भी नहीं बख्शा जाएगा। कंपनी को ब्लैक लिस्टेड करके विधि के हिसाब से कार्यवाही होगी। खर्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है, जिसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कार्यवाही होगी। उन्होंने एक सवाल के जबाव में स्वीकार किया कि नगर निगम में उस समय भाजपा बोर्ड था, लेकिन शासन पिछली सरकार के हाथ में था यदि किसी भी तरह की मिलीभगत, लापरवाही या भष्ट्राचार सामने आता है तो निश्चित रूप से कार्यवाही होगी। इस अवसर पर विधायक अनिता भदेल, उपमहापौर नीरज जैन, शहर भाजपा के अध्यक्ष रमेश सोनी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, एडीए व नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रशासन ने एलिवेटेड रोड के क्षतिग्रस्त हिस्से पर मजदूरों से सीमेंट कंक्रीट कराई।

- सड़क धंसने की जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर लोक बंधु ने अधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए

एलिवेटेड रोड की धंसी सड़क पर सीमेंट कंक्रीट से मरम्मत

अजमेर, (कासं)। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बने एलिवेटेड रोड़ की एक भुजा पर हाल ही में हुए सड़क धंसने की घटना के बाद प्रशासन ने क्षतिग्रस्त हिस्से की सीमेंट कंक्रीट से मरम्मत शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने अधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए।

ठेकेदार अतुल गुप्ता ने बताया कि मरम्मत कार्य के बाद शनिवार से इस मार्ग पर यातायात दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। क्षतिग्रस्त सड़क का डामरीकरण बारिश के मौसम के बाद किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एलिवेटेड रोड की एक भुजा पर दो-दो फीट गहरे गड्ढे हो गए थे, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था।

सड़क धंसने की जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर लोक बंधु ने अधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए। 272 करोड़ की लागत से बने इस प्रोजेक्ट में महज दो साल में ही सड़क धंसने की घटना ने निर्माण गुणवत्ता और तकनीकी निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रशासन ने फिलहाल क्षतिग्रस्त हिस्से को सीमेंट कंक्रीट से भर दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी और निगरानी करने वाली तकनीकी टीम की जवाबदेही तय करने की मांग की है। एलिवेटेड रोड की तकनीकी खामियों ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते जहर खाया, मौत

- महात्मा गांधी चिकित्सालय में उपचार के दौरान दम तोड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। महात्मा गांधी चिकित्सालय में विषाक्त वास्तु के सेवन से हालत बिगड़ने के बाद भारती बूंदी जिले के युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि रूपा पारोली बूंदी थाना क्षेत्र एसडीएम के सामने युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते जहर खा लिया था, जिसके बाद उसे महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था।

एमजी चौकी पुलिस ने बताया कि कैंप के दौरान नितेश पिता मदनलाल सनाढ्य उम्र 30 साल ने एसडीएम को परिवार में चल रहे जमीन विवाद को लेकर ज्ञापन सौंपने आया। ज्ञापन सौंपने के बाद उसने आक्रोश में आकर विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया जिसके चलते उसकी हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल भीलवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। जहां देर रात उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय सरपंच के साथ ही परिजन एमजी अस्पताल पहुंचे पुलिस ने मृतक केशव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले की अग्रिम जांच शुरू की है। पारोली थाना प्रभारी प्रभातीलाल मीणा को नीतू ने एक रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में सुनील व भागचंद आदि पर नित्यानंद को खुदकुशी के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया। इन लोगों ने रोपां गांव में स्थित पैतृक जमीन नित्यानंद उर्फ नितेश व उसके परिवार को नहीं दी, जिससे वह तनाव में था और इसी के चलते जहरीली वस्तु खाकर उसने खुदकुशी कर ली।

जानकारी के अनुसार नित्यानंद ने खुदकुशी से पहले चार पेज का सुसाइड नोट लिखकर सोशल मीडिया पर वायरल भी किया था। नित्यानंद उर्फ नितेश सनाढ्य परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता मदनलाल सनाढ्य जो कि रोपां में सहकारी समिति में शक्कर, केरोसिन देने का काम करते थे, उनका निधन हो गया था। पिता की मौत के बाद नित्यानंद पर ही मां व बहन की देखभाल एवं घर चलाने की जिम्मेदारी थी। नित्यानंद के खुदकुशी करने के बाद उसके परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा। नित्यानंद ने इसी साल 5 मार्च को अंतरजातीय विवाह किया था। उसकी पत्नी गर्भवती है। अंतरजातिय विवाह के कारण उसे अपनी जमीन जायदाद से बेदखल कर जमीन पर अतिक्रमण कर लिया। इसे लेकर दिये परिवाद में भी उसने जीवनलीला समाप्त करने की बात लिखी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसने सुसाइड नोट में भागचंद, कमल, सुनील व सोभाग बाई के नाम लिखे हैं। नित्यानंद ने लिखा कि इन लोगों ने उसे परेशान कर यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। नित्यानंद ने सुसाइड नोट में लिखा कि तत्कालीन तहसीलदार, पटवारी, एसएसओ, जांच अधिकारी पारोली की भी बराबर की भूमिका है। विधायक साहब के दबाव में आकर उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे मेरे को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुस्कान देख ले, मैने वादा निभाया है मुस्कान देख ले, मैने वादा निभाया है। गांव जाकर कोई झगड़ा नहीं किया। भले ही जिंदगी हार गया पर वादा नहीं तोड़ा है। शायद ईश्वर को अपना यह सफर यहीं तक मंजूर था। मेरे बच्चे को रोपां गांव में कदम मत रखने देना। नीतू और मम्मी का खयाल रखना। यह बात नित्यानंद ने खुदकुशी से पहले सुसाइड नोट में लिखी।

उसकी बहन नीतू ने शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को प्रार्थना-पत्र दिया, जिसमें बताया कि नित्यानंद परिवार में कमाने वाला अकेला था। बाकी तीन महिलायें हैं। परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दिलाया जाये। नीतू ने पत्र में लिखा कि नित्यानंद के परिवार की 6.5 बीघा जमीन आरोपितों ने अपने कब्जे में ले रखी है, उसे रास्ते के साथ कब्जा मुक्त करवाकर मृतक के परिवार को सुपुर्द की जाये। नित्यानंद को जान देने के लिए मजबूर करने वालों को कठोर से कठोर सजा दिलाने को मांग की है।

नारणावास से खेजड़ला मार्ग पर भरे बारिश के पानी से हादसे का अंदेशा

जालोर, (कासं)। जिले के नारनावास से मादलपुरा ग्राम के बीच की मुख्य सड़क पर बीते दिनों हुई तेज बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर गया है।

- दोपहिया वाहन चालकों व स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र पानी की निकासी कराने और मार्ग को सुरक्षित बनाने की मांग की

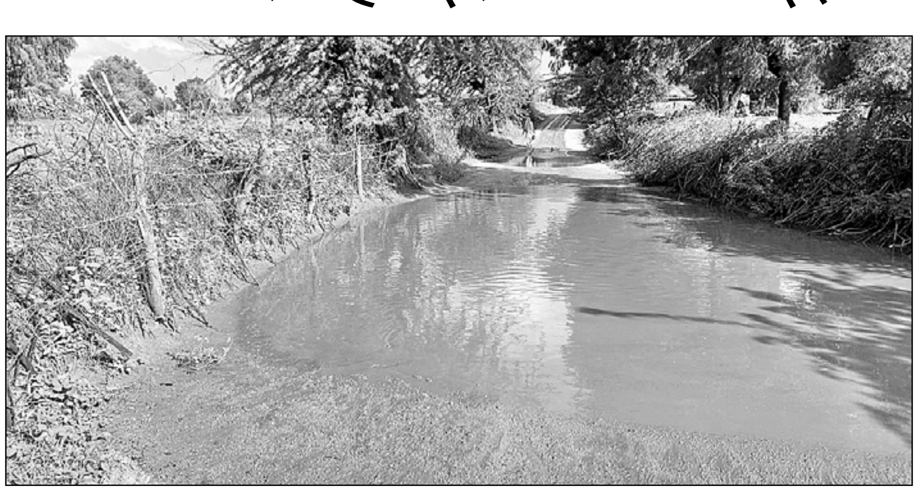

नारनावास से मादलपुरा ग्राम के बीच की मुख्य सड़क पर बीते दिनों हुई तेज बारिश से पानी भर गया है।

इस पानी की निकासी नहीं होने के कारण यह मार्ग अब खतरनाक होता जा रहा है। ग्रामवासियों का कहना है कि सड़क पर भरे पानी के कारण वाहन चालक मार्ग की गहराई या गड्ढों का अनुमान नहीं लगा पाते, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों व स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्वाई कर पानी की निकासी कराने और मार्ग को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

फिरोज मेहर ने बताया कि इस मार्ग पर गहरा खड्ढा होने से बारिश का पानी जमा हो गया जिससे दो मोटरसाइकिल सवार गिरने से घायल हो गये। ग्राम पंचायत सहित आला अधिकारियों को अवगत करवाने बावजूद भी समस्या का समाधान नही हो रहा है।

स्कूल हॉस्टल में किशोर ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के घंटाघर थाना क्षेत्र में एमएमपीएस स्कूलछात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन जुलाई को दक्षराजसिंह पुत्र गजेन्द्रसिंह चौहान निवासी आवडा जालोर हाल एमएमपीएस हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर घंटाघर थाना एएसआई भगवानलाल ने मौके पर पहुंचकर मृतक को नीचे उतार एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी। शुक्रवार को एएसआई भगवानलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। पुलिस ने मौके से एफएसएल व विधी विशेषज्ञों को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए है। दक्षराज सिंह एमएमपीएस में कक्षा 12वीं का छात्र होकर हॉस्टल में ही रहता था एवं दो जुलाई को गांव से हॉस्टल आया था। हॉस्टल में उसका साथी छात्र नहीं आया था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

खम्भे में फैले करंट से युवक की मौत

- मुआवजे की मांग को लेकर तेलीखेड़ा के लोगों ने धरना प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा बिजली विभाग की अनदेखी का खामियाजा एक युवक को अपनी जान दे कर चुकाना पड़ा है। तेली खेड़ा में खम्भे में फैले करंट को लेकर कई बार ग्रामीणों ने विभाग को अवगत करवाया, लेकिन सुनवाई नहीं होने के कारण करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई, अब मुआवजे की मांग को लेकर तेलीखेड़ा के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार तेलीखेड़ा निवासी बाबूलाल माली सड़क से गुजरने के दौरान खंभे में विभागीय लापरवाही के चलते फैले करंट की चपेट में आने से बेहोश होकर गिर पड़ा। आनन-फानन में लोगों ने उसे एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैली और देखते ही देखते एमजी मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ ही क्षेत्रवासी एकत्रित हो गए। तेली खेड़ा के क्षेत्रवासी और माली समाज के लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि बिजली विभाग को बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ और बाबूलाल को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मृतक के चार बच्चे हैं और घर ने कमाने वाला वो अकेला था। मृतक आश्रितों को उचित मुआवजा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारी, कर्मचारी पर कार्यवाही की मांग को लेकर एमजी मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया।

इस चेतावनी को देखते हुये डीएसपी सदर श्यामसुंदर विश्नोई, सदर थाना प्रभारी कैलाशकुमार विश्नोई, भीमगंज, कोतवाली, प्रताप नगर व सदर थाने के साथ ही पुलिस लाइन से जाब्ता अस्पताल बुलवाया। दोपहर में आक्रोशित लोगों ने बिजली निगम के अधीक्षक अभियंता कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ प्रदर्शन शुरू कर दिया। बाद में निगम की ओर से दिये गये आर्थिक सहायता के आश्वासन पर शाम करीब चार बजे प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। इसके बाद ही सदर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

बीकानेर के ट्रक ड्राइवर की हिमाचल में मौत

बीकानेर, (निसं)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चनेड़ के पास एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई। ट्रक ड्राइवर व मालिक राम स्वरूप की मौके पर मौत हो गई। राम स्वरूप राजस्थान के बीकानेर जिले के स्वनतसर के रहने वाला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, ट्रक टाइलों से भरा था जो कि चंबा के चनेड़ के पास 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में ट्रक ड्राइवर व मालिक राम स्वरूप की मौके पर मौत हो गई। रामस्वरूप बीकानेर जिले के स्वनतसर के रहने वाला था। रामस्वरूप चंबा में टाइल और दूसरी निर्माण सामग्री की डिलीवरी करने जा रहा था और आज सुबह के वक्त हादसे का शिकार हो गया। जैसे ही चनेड़ के ट्रक पलटा तो आसपास के ग्रामीणों ने जोर-जोर की आवाजें लगाई, जिस पर स्थानीय लोगों ने जब घरों से बाहर निकलकर देखा तो ट्रक खाई में पड़ा था। इसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। ग्रामीणों ने ट्रक ड्राइवर को गाड़ी से बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया।

नौकरी का प्रलोभन देकर युवक का फर्जी खाता खोला

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर स्थित शिव मंदिर के पीछे खोखरिया की पाल के रहने वाले एक युवक को निजी बैंक में 40-50 हजार की नौकरी देने का प्रलोभन देकर शातिर ने फर्जी तरीके से खाता खोलने के बाद 40 लाख का फ्रॉड कर डाला। उसके नाम से 40 लाख रूपए ट्रांजेक्शन कर लिए गए। बाद में उसे पश्चिमी बंगाल पुलिस को नोटिस मिला तो इसका पता लगा। स्थानीय इस युवक के खिलाफ वेस्ट बंगाल में फ्रॉड का केस भी दर्ज हो गया। अब पीड़ित ने कोर्ट की शरण लेकर मंडोर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। पुलिस ने इसमें अब गहनता से तफ्तीश आरंभ की है।

मंडोर थाने के एसआई अरूणा कुमारी ने बताया कि शिव मंदिर के पीछे खोखरिया की पाल का रहने वाला प्रकाश सांखला पुत्र कमलेश सांखला की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि वह किराणा की दुकान पर काम करता है। गत साल 21 फरवरी को उसके पास किसी अंजान शख्स का कॉल आया और कहा कि वह एचडीएफसी बैंक से बोल रहा है। उसको बैंक में नौकरी दी जा रही है और उसकी तनख्वाह 40-50 हजार होगी। इसके लिए वह अपने संबंधित दस्तावेज ऑनलाइन भेजें। इस पर प्रकाश सांखला ने अपना पैन, आधार कार्ड इत्यादि दस्तावेज अंजान नंबर वाले को भेज दिए।

एसआई अरूणा कुमारी ने बताया कि प्रकाश ने ऑनलाइन ही सभी दस्तावेज भेजे जाने के साथ थंब इंप्रेशन भी कर दिया। शातिरों ने उसके द्वारा भेजे गए दस्तावेजों के आधार पर एक फर्जी खाता बालेसर की एचडीएफसी बैंक में खोल दिया। उसे पता भी नहीं चला। उसके घर पर लिफाफा भी आया मगर उसने उसे खोल कर भी नहीं देखा। उसके खाता खुलने की जानकारी उसे तब हुई जब पश्चिमी बंगाल पुलिस से उसे नोटिस मिला कि उसके बैंक खाते से 40 लाख रूपयों का ट्रांजेक्शन हुआ है। प्रकाश के खिलाफ वेस्ट बंगाल में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट में केस भी दर्ज हो गया। पीड़ित प्रकाश सांखला अपने स्तर पर सालभर से ज्यादा समय तक वेस्ट बंगाल पुलिस के चक्कर काटने के साथ बालेसर की एचडीएफसी बैंक शाखा पर भी गया मगर निराशा हाथ लगी। अब उसने अपने साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर कोर्ट की शरण लेकर मंडोर थाने में केस दर्ज कराया है।

अजमेर जेएलएन अस्पताल में डिजिटल टोकन व्यवस्था शुरू

- मरीज या परिजन क्यूआर कोड को स्कैन कर आसानी से टोकन नंबर प्राप्त कर सकेंगे

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों के लिए उपचार की प्रक्रिया अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और तकनीकी हो गई है। अस्पताल प्रबंधन ने पर्ची और टोकन के लिए लगने वाली लंबी कतारों से निजात दिलाने के लिए नया डिजिटल टोकन सिस्टम लागू किया है, जिसके तहत मरीज या उनके परिजन अस्पताल परिसर में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर आसानी से टोकन नंबर प्राप्त कर सकेंगे।

नवाचार के तहत मरीज या उनके परिजन को सबसे पहले अपने स्मार्ट फोन में आभा एप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद अस्पताल में प्रदर्शित क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करते ही एक ओटीपी मरीज के मोबाइल नंबर पर प्राप्त होगा। ओटीपी डालते ही मरीज को डॉक्टर के परामर्श के लिए एक डिजिटल टोकन नंबर जारी हो जाएगा। यह नंबर स्क्रीन पर भी दिखेगा और एसएमएस के जरिए भी प्राप्त किया जा सकता है। डिजिटल टोकन नंबर के आधार पर मरीज अपनी बारी के अनुसार डॉक्टर से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इस व्यवस्था से न सिर्फ मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, बल्कि कतार में खड़े रहने की परेशानी भी समाप्त हो जाएगी। उपअधीक्षक डॉ. अमित यादव ने बताया कि यह नई सुविधा के जरिए मरीजों के इलाज में अनावश्यक भीड़, धक्का-मुक्की और अव्यवस्था पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

खेजड़ी को बचाने के लिए नोखा दैया में पर्यावरण प्रेमी 351 दिन से धरने पर

- चार साल में 40 हजार बीघा में 80 हजार खेजड़ी के पेड़ काटे, सरकारी आंकड़े में सिर्फ 2283

बीकानेर, (निसं)। देश का सबसे बड़ा सोलर हब बनाने की होड़ के कारण गांवों में हरियाली खत्म हो रही है। चार साल में 40 हजार बीघा में सोलर प्लांटों के कारण करीब 80 हजार खेजड़ी के पेड़ों की बलि दी गई है। खेजड़ी को बचाने के लिए नोखा दैया में पर्यावरण प्रेमी 351 दिन से धरने पर बैठे हैं।

बीकानेर तहसील के लाखूसर गांव में सोलर प्लांट पर खेजड़ी की कटाई को लेकर आए दिन बवाल हो रहा है। अब तक 800 से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। पूगल, छत्तरगढ़, जयमलसर, नोखा दैया सहित एक दर्जन से अधिक गांवों में यही हालात हैं। तीन साल में कटी खेजड़ी की 26 मौका रिपोर्ट और पंचनामा खंगाले तो सरकारी आंकड़ा 2283 खेजड़ी का सामने आया। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि इसके अलावा भी कोई रिपोर्ट पटवारियों ने बनाई होगी तब भी आंकड़ा पांच हजार से ज्यादा नहीं पहुंचेगा। मौके की फर्द रिपोर्ट बनाने का काम 2023 से पर्यावरण प्रेमियों के विरोध के बाद शुरू हुआ था। इन तीन सालों में एक ही रात में सबसे ज्यादा 565 खेजड़ी लाखूसर में कटी है। खेजड़ी को बचाने के लिए नोखा दैया में 351 दिन से धरना चल रहा है।

पर्यावरण संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं का पिछले दिनों सोलर प्लांट में भारी विवाद भी हुआ था। एक जानकारी के अनुसार जिले में छत्तरगढ़, पूगल, खाजूवाला, लूणकरणसर, जामसर, श्रीडूंगरगढ़, कोलायत, गजनेर, नोखा में पांच मेगावाट से लेकर तीन हजार मेगावाट तक के करीब 30 सोलर प्लांट लग चुके हैं। इन स्थानों पर लगभग 40 हजार बीघा जमीन पर सोलर प्रोजेक्ट चल रहे हैं। मोटे अनुमान के अनुसार एक बीघा में खेजड़ी के औसत पेड़ दो मानें तो 80 हजार पेड़ों की बलि दी जा चुकी है। हमने गूगल अर्थ से बीकानेर सहित जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर जिले की 15 साल तक की इमेज का सर्वे किया है। इसके अलावा पांच साल से ग्राउंड सर्वे चल रहा है।

सर्वे में अब तक इन चारों जिलों में खेजड़ी के करीब 20 लाख पेड़ कट चुके हैं, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। अधिकांश पेड़ सोलर के कारण कटने पाए गए हैं। जहां-जहां सोलर प्लांट लगे हैं वहां अब हरियाली का नामोनिशान तक नहीं है। अमेरिका की विस्कॉन यूनिवर्सिटी के प्रो. जोनाथन भी थार में 15 दिन बिता चुके हैं। उन्होंने भी पर्यावरण के नुकसान पर चिंता जताई थी।

खेजड़ी बचाने के लिए एक साल में दिए 180 ज्ञापन, कोई असर नहीं :- सोलर प्लांटों पर खेजड़ी को बचाने के लिए खेजड़ी बचाओ पर्यावरण बचाओ संघर्ष समिति ने पिछले साल लंबा आंदोलन चलाया। छत्तरगढ़ में 87 दिन और कलेक्ट्रेट पर 70 दिनों तक धरना दिया। इस दौरान एसडीएम और कलेक्टर को 180 ज्ञापन दिए। आंदोलन को शांत करने के लिए किसानों को सरकार ने बुलाया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री से 9 सितंबर 24 को वार्ता हुई थी, जिसमें उन्होंने ट्री प्रोटेक्शन कानून बनाने का वादा किया था, लेकिन अब तक नहीं बना। खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से रोक लगाने की बात कही थी, लेकिन कटाई आज भी चल रही है। मोखराम धारणिया, रामगोपाल बिश्नोई, जेठाराम जाखड़ का कहना है कि वन विभाग ने आंखें मूंद रखी है। हरियाली की चिंता किसी को नहीं है।

380 किलोमीटर लंबी रेललाइन से पश्चिमी राजस्थान और गुजरात को नया आयाम मिलेगा

- रेललाइन के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन सर्वे के लिए दस करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी
- सर्वे के बाद निर्माण लागत और समय सीमा तय होगी, क्षेत्र में रेल नेटवर्क मजबूत होगा

जालोर, (कासं)। सांचोर जैसलमेर-बाडमेर-भाभर रेललाइन सर्वे के लिए दस करोड़ रुपये स्वीकृति मिलने से सांचोर को रेल कनेक्टिविटी का तोहफा मिला है।

भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने पश्चिमी राजस्थान और गुजरात को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण रेल परियोजना, जैसलमेर-फतेहगढ़-शिव-बाड़मेर-धोरीमन्ना-रामजी का गोल-सांचोर-थराद-वाव-दियोदर-भाभर रेल लाइन के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) सर्वे के लिए दस करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना तीन दशकों से लंबित थी और इसके सर्वे की स्वीकृति क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। यह प्रस्तावित 380 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर और बाडमेर जिलों को गुजरात के भाभर तक जोड़ेगी, जिससे क्षेत्र की सामरिक और आर्थिक कनेक्टिविटी में बदलाव आएगा। यह रेल मार्ग खनन, पर्यटन और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देगा, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा बलों की आवाजाही को भी सुगम बनाएगा। सांचोर, चितलवाना, और अन्य क्षेत्रों के लिए यह परियोजना विकास का नया द्वार खोलेगी।

इस स्वीकृति से सांचोर, बाड़मेर और जैसलमेर के स्थानीय निवासियों में उत्साह की लहर है। इस रेल लाइन के निर्माण से न केवल यात्रा सुविधा बढ़ेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत दस करोड़ रुपये का बजट इस रेल लाइन के डीपीआर और सर्वे कार्य के लिए उपयोग किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद परियोजना की कुल लागत और निर्माण की समय सीमा तय की जाएगी। इस रेल लाइन के बनने से क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा और यह पश्चिमी भारत की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेल लाइन परियोजना के लिए सर्वे की मंजूरी क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि सामरिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण साबित होगी। क्षेत्रवासी इस रेल लाइन के निर्माण के लिए अब अगले कदमों का इंतजार कर रहे हैं।

ऐसा है प्रस्ताव दो स्टेट, 4 जिले के कई तहसील जुड़ेगी :- यह लाइन राजस्थान व गुजरात को जोड़ेगी। इसमें राजस्थान का बाड़मेर, जैसलमेर व जालोर जिला शामिल है, जबकि गुजरात का बनासकांठा। लाइन इन जिलों के बाड़मेर, गुडामालाणी, चौहटन, सांचौर, शिव, फतेहगढ़, जैसलमेर व गुजरात के थराद, वाव व दियोदर तहसील से होकर निकलेगी।

राजस्थान में 986 हैक्टेयर जमीन अवाप्त होगी :- रेलवे विभाग के मुताबिक इस लाइन के लिए बड़ी मात्रा में जमीन अवाप्त करनी होगी। राजस्थान में 986.8 हेक्टेयर व गुजरात में 246.2 हेक्टेयर जमीन अवाप्त होगी। साथ ही इस रेलवे लाइन पर 256 छोटे ब्रिज, 34 बड़े ब्रिज, 31 रोड ब्रिज व 56 अंडर रोड ब्रिज बनेंगे।

भाजपा नेता को रोहित गोदारा के नाम से धमकी मिली

अनूपगढ़, (निसं)। भाजपा नेता व व्यवसायी को वॉट्सऐप पर वॉयस मैसेज के जरिए रोहित गोदारा के नाम से धमकी मिली है और उनसे फिरौती की मांग भी की गई है।

एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि भाजपा नेता के पास बुधवार रात पौने आठ बजे के करीब पहले अनजान नंबर से कॉल आई, जिस पर उन्होंने कॉल का जवाब नहीं दिया, जिसके बाद वॉट्सऐप पर एक वॉयस मैसेज आता है जिसके अंदर वह अपने आप को रोहित गोदारा बताते हुए धमकी देता है और फिरौती की डिमांड कर रहा है। इसके बाद गुरुवार दोपहर 12.30 बजे के करीब भी भाजपा नेता के पास विदेशी नंबर से फोन कॉल आया जिस पर इसी प्रकार से धमकी दी गई, जिसके बाद भाजपा नेता ने स्थानीय पुलिस थाने में इसकी जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लेते हुए भाजपा नेता को सुरक्षा भी मुहैया करवाई है। एसएचओ जांगिड़ ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीमों का गठन कर मौके पर भेजा गया और आसपास लगे हुए कैमरे की भी जांच करवाई।